भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-17, अंक-02 | वि.सं. 2077, | युगाब्द 5122 | अप्रैल-2021 | डिजिटल संस्करण

सदस्यता शुल्क :- संरक्षक : रु. 5000/- आजीवन : रु. 2000/-

मार्गदर्शक :

- डॉ. कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेवशर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबन्ध न्यासी

सम्पादक :

- डॉ. शिवभूषण त्रिपाठी
  मोः 09451176775

सह सम्पादक :

- राजेश
  मोः 09793120738

मुद्रक एवं प्रकाशक :

- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबन्धक :

- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :
भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर,
लखनऊ, उ.प्र.-226020
दूरभाष: 0522-4001837,
0522-2789406
मोः 09450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :
E-mail:bdsnyas.dl@gmail.com
मो : 9811068375

आलोकः प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

जन्म- 01 अप्रैल, 1889 निधन- 21 जून, 1940

डा0 केशव बलिराम हेडगेवार

जन-जन के मन में बसे,
श्री केशव बलिराम।
ऐसी दिव्य विभूति को,
शत्-शत् नमन प्रणाम्।।

■शिव

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य

आपकी पत्रिका **सेवा संवाद** अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है। आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 26 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित कार्पस फण्ड से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु **कार्पस फण्ड** भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. **सचल चिकित्सा सेवा** - रु. 11,000/- मासिक - एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. **नेत्र चिकित्सा सेवा** - रु. 5000/- - एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. **विकलांग सहायता सेवा** - रु. 1,000/- से 6,000/- तक - एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. **कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)** - रु. 10,000/- से अधिक की धनराशि का अर्पण कर के न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. **छात्रवृत्ति** - न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.) : रु 5,000, हाईस्कूल : रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु : रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल : रु 20,000
6. **सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक) पत्रिका** - रु. 1,200/- की आजीवन सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग कर के सहायता करना।
7. **सेवा संवाद (मासिक)** - रू. 2,000/- की आजीवन एवं रु. 5,000/- की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. **माधव सेवा आश्रम** - रु. 5,00,000/- का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. **विश्राम सदन - दिल्ली** - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु0 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. **अक्षय सेवा - दिल्ली** - पिछले 4 वर्षों से तीन अस्पतालों के निकट दोपहर के समय भोजन वितरण का कार्य इस प्रकल्प द्वारा किया जा रहा है| कुल 2000 से अधिक लोगों को यह सुविधा प्रतिदिन दी जाती है | एक स्थान पर एक दिन का खर्च लगभग 6000 रुपये आता है | हम कुछ दिनों के लिए इस प्रकल्प में सहयोग कर सकते हैं |
11. **CSR फंड** - यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें। न्यास की CSR-1 पंजीकरण संख्या CSR00004454 है।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार कर मुक्त है। **प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप न्यास के नाम एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं।** समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेज सकते हैं।
- अप्रवासी भारतीय भी दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. **6806100009948** (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. **30448433657** (IFSC : SBIN0003813)
  - बैंक ऑफ इण्डिया, पटपड़गंज, नई दिल्ली - खाता सं. **605810110013350** (IFSC : BKID0006058)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

भारत माता की आन-बान-शान और अस्मिता की रक्षा-सुरक्षा, सेवा करते हुए 23 मार्च 1931 को बलिदान होने वाले क्रान्तिकारी वीरों में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का नाम भारत के इतिहास में अमर रहेगा। उनका त्याग और बलिदान हमें भारत की रक्षा के लिए जीवन पर्यन्त प्रेरित करता रहेगा।

समाज सेवा अथवा परोपकार करने वालों का सबसे प्राथमिक कार्य भूखों को भोजन, अशिक्षितों को शिक्षा और **'अन्न दानं परम् दानं विद्या दानं ततः परम्'** अर्थात् अन्न से भी अधिक कहीं-कहीं विद्या-ज्ञान की महत्ता को समाज द्वारा स्वीकार किया गया है। स्वामी विवेकानन्द जी ने भी कहा था- **"समाज के दीन हीन लोगों के प्रति हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य है, उन्हें शिक्षा देना और यह बताना कि प्रयत्न करने पर तुम उन्नति कर सकते हो, सभी तरह का सामर्थ्य अपने में उत्पन्न कर सकते हो। हमारा राष्ट्र जो झोपड़ियों में निवास करता है, वह अपना पौरूष खो बैठा है और व्यक्तित्व भूल चुका है, हमें उन्हें खोया हुआ व्यक्तित्व फिर से प्रदान कराना है।"** यही सर्वोच्च धर्म है, जिसका पालन सबको मन-कर्म-वचन से करना होगा। निर्धन, असहाय, विपत्तिग्रस्त, वंचित एवं उपेक्षित वर्ग की सहायता करना न केवल पुण्य है वरन् हमारा पुनीत कर्तव्य भी है। हमारा यह उपेक्षित एवं वंचित समाज राष्ट्र की मुख्य धारा से जुड़ा रहे, विदेशी एवं राष्ट्र विरोधी शक्तियां इनका शोषण न कर पायें और राष्ट्र विरोधी कार्यों व असामाजिक गतिविधियों में न लगा पायें इस दिशा में जागरूक नागरिकों को सतत सावधान रहना होगा। आचरण की मर्यादा को समझ कर, अपने कर्तव्यों का पालन कर भविष्य के लिये आदर्श प्रस्तुत करना होगा। हम सभी व्यष्टि नहीं, समष्टि के प्रतिनिधि हैं।

व्यक्ति का आचरण ही उसे महान से महत्तर और लघु से लघुतर, शत्रु-मित्र, उन्नत-अवनत बना देता है, पदासीन तथा पथभ्रष्ट भी बना देता है। जो व्यक्तिगत स्वार्थों के प्रति चिन्तन करता है, वह वही चिन्तन करते-करते मात्र व्यष्टि (व्यक्ति) रह जाता है और जो उदार हृदय से सभी के हित और विकास का चिन्तन करते हैं, कार्य करते हैं, वे समष्टि के प्रतीक बन जाते हैं। ध्यान रहे हम सब उस समुन्नत तथा समृद्ध परम्परा के प्रतिनिधि हैं, जहाँ के पशु-पक्षी भी समष्टि (समाज) हित के सिद्धान्त से सुपरिचत हैं **'अयं निजः परो वेति गणना लघुचेत्साम् उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।'** अर्थात-यह मेरा है, यह पराया है इस तरह का चिन्तन अल्प मति बुद्धि वाले लोग करते हैं, उदान चित्त वाले व्यक्ति के लिए तो धरती पर रहने वाले सभी एक परिवार की तरह हैं।

श्रेष्ठ आचार का तात्पर्य है मन, वाणी और कर्म से एक होना। यदि किसी व्यक्ति में तीनों पृथक-पृथक हों तो उसे श्रेष्ठ नहीं कह सकते। मनुष्य अपने आचार से आयु, धन एवं संसार की अन्य सभी विशिष्ट प्रकार की वस्तुओं से न केवल सम्पन्न हो सकता है, प्रत्युत भौतिक वस्तुएँ उसकी शरणागत हो जाती हैं, तभी तो भारतीय चिन्तन परम्परा और शास्त्रों में मनसा-वाचा-कर्मणा एक रूप होने के महत्व की चर्चा और उसका गुणगान सर्वत्र मिलता है- **'मनस्येकं वचस्येकं कर्मण्येकं महात्मनाम्'** और **मनस्यन्यत् वचस्यन्यत् कर्मण्यन्यत् दुरात्मनाम्'** अर्थात् सज्जन व्यक्ति मन, वाणी और कर्म से एक होते हैं और दुर्जन मन, वाणी और कर्म से पृथक-पृथक होते हैं।

अपनी आचारशीलता के बल पर कोई समुद्र लांघ जाता है, कोई सेतु निर्माण कर लेता है, कोई भगवान को अपने घर बुलाकर बेर खिला लेता है तो कोई खम्भा फाड़कर प्रकट होने के लिए भगवान को तैयार कर लेता है। हनुमान जी की आचारशीलता अर्थात् प्रभु के प्रति भक्ति, समर्पण श्रद्धा, शील, विनय, साधना आदि गुणों के कारण ही वे आदर्श सेवा के मानक हैं व जगत प्रसिद्ध हैं। आज हमें भी **सर्वे भवन्तु सुखिनः** के भाव से तन-मन और धन से मनसा वाचा कर्मणा सेवा के क्षेत्र में उतरने की आवश्यकता है। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के विचारों के अनुरूप समरस समाज का निर्माण करना है। तभी स्वयं के साथ ही सबका विकास और राष्ट्र का कल्याण संभव है। **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** भी इसी लक्ष्य के साथ कार्य में संलग्न है और आप सभी के सहयोग की अपेक्षा करता है, इस सद्भाव के साथ यह अंक आपको समर्पित है।

■शिव

भाऊराव देवरस सेवा न्यास - स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प

(अ) सुदूर ग्रामीण अंचल एवं शहरी क्षेत्र की 6 सेवा बस्तियों में स्वास्थ्य केन्द्रों का संचालन

1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक लाभान्वित रोगी विवरण

क्र.	सेवा केन्द्र	दिवस	माह **फरवरी** 2021 तक लाभान्वित रोगी	माह मार्च 2021 में लाभान्वित रोगी	योग कुल लाभान्वित रोगी
1.	वेदान्त आश्रम, पपनामऊ	सोमवार	--	--	--
2.	सेवा समर्पण संस्थान बिन्दौवा	मंगलवार	1021	251	1272
3.	अम्बेदकरनगर	बुधवार	--	--	--
4.	51 शक्तिपीठ (बीकेटी)	गुरुवार	--	--	--
5.	अर्जुनपुर (बीकेटी)	शुक्रवार	--	--	--
6.	माधव सेवा आश्रम	शनिवार	--	--	--
	कुल लाभान्वित रोगी		**1021**	**251**	**1272**

(ब) माधवराव देवड़े स्मृति रुग्ण सेवा केन्द्र, सी-91, निराला नगर, लखनऊ

1.	एलोपैथिक	प्रत्येक कार्यदिवस	316	309	625
2.	होम्योपैथिक	प्रत्येक कार्यदिवस	1866	392	2258
कुल लाभान्वित रोगी सं0			**2182**	**701**	**2883**

(स) रुग्ण सेवा केन्द्र, माधव सेवा आश्रम, लखनऊ

1.	होम्योपैथिक	प्रत्येक कार्यदिवस	2589	300	2889
1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक तीनों केन्द्रों पर			**कुल लाभान्वित रोगी सं0**		**7044**

माधव सेवा आश्रम

रायबरेली रोड, लखनऊ में प्रान्तशः ठहरने वाले लाभान्वित बन्धुओं की संख्या

क्र.	राज्य	माह **फरवरी** 2021 तक	माह **मार्च** 2021 में	**योग सत्र 2020-21**
1.	उत्तर प्रदेश	50008	6484	56492
2.	उत्तराखण्ड	271	77	348
3.	बिहार	19245	3588	22833
4.	झारखण्ड	1581	403	1984
5.	उड़ीसा	137	09	146
6.	मध्य प्रदेश	2774	316	3090
7.	छत्तीसगढ़	378	23	401
8.	राजस्थान/गुजरात	--	04	04
9.	महाराष्ट्र	230	06	236
10.	नेपाल	182	11	193
11.	दिल्ली/पंजाब/हरियाणा	203	100	303
12.	पश्चिम बंगाल	223	61	284
13.	अन्य प्रान्त	217	08	225
	योग	**75449**	**11090**	**86539**

देवड़े नेत्र चिकित्सालय

संचालन : किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं अन्त्योदय हेल्थ मिशन द्वारा 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक लाभान्वित रोगी विवरण

	माह **फरवरी** 2021 तक	माह **मार्च** 2021 में	**योग (सत्र 2020-21)**
नेत्र परीक्षण	2218	356	2574
चश्मा वितरण	1455	257	1712
मोतियाबिन्द ऑपरेशन	07	0	07
पैथालॉजी	66	02	68
आलोक : नेत्र एवं पैथालॉजिकल जाँच केवल 20/- के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है।			

*** कई सेवाएँ लॉकडाउन के कारण प्रभावित रहीं।**

एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन
सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली
प्रान्तशः ठहरने वाले लाभार्थियों की संख्या
गत सत्र 2020-21 का विवरण

भारतीय राज्य/देश	कुल योग
बिहार	119
उत्तर प्रदेश	115
मध्य प्रदेश	32
झारखण्ड	23
राजस्थान	04
पश्चिम बंगाल	09
उत्तराखण्ड	20
हरियाणा	00
नेपाल	18
उड़ीसा	04
जम्मू और कश्मीर	06
छत्तीसगढ़	00
असम	03
गुजरात	00
हिमाचल प्रदेश	04
महाराष्ट्र	00
दिल्ली	18
त्रिपुरा	00
पंजाब	02
मणिपुर/ मिजोरम	00
अरूणाचल प्रदेश	00
केरल	00
सिक्किम	00
बांग्लादेश	00
तमिलनाडु	00
कुल	**377**

एम्स विश्राम सदन दिल्ली में ठहरने वाले व्यक्तियों का मासिक विवरण

माह	ठहरने वाले व्यक्तियों की सं.
अप्रैल-2020	86
मई	293
जून	53
जुलाई	42
अगस्त	55
सितम्बर	38
अक्टूबर	74
नवम्बर	33
दिसम्बर	73
जनवरी-2021	479
फरवरी	491
मार्च	377
कुल	**2064**

नोटः अप्रैल 2020 से फरवरी 2021 तक पावर ग्रिड विश्राम सदन, दिल्ली में कोरोना महामारी के कारण कोरोना के मरीजों के उपचार में लगे एम्स दिल्ली के चिकित्सक व उनके सहयोगी कार्यकर्ता इस सदन में रह रहे थे जिनकी प्रतिदिन की संख्या लगभग 200 रहती थी।

पावर ग्रिड विश्राम सदन
आई.जी.आई.एम.एस. पटना

माह मार्च 2021 में ठहरने वाले लाभार्थियों की संख्या

राज्य	ठहरने वाले व्यक्तियों की सं0
बिहार	967
छत्तीसगढ़	01
दिल्ली	01
झारखण्ड	02
कुल	07

पावर ग्रिड विश्राम सदन
के.जी.एम.यू. लखनऊ
माह मार्च 2021 में ठहरने वाले लाभार्थियों की संख्या

राज्य	माह मार्च 2021 में ठहरने वालों की संख्या
उत्तर प्रदेश	808
बिहार	42
राजस्थान	06
दिल्ली	03
महाराष्ट्र	06
हरियाणा	01
पश्चिम बंगाल	05
नेपाल	03
कुल योग	**874**

पावन स्मृति

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया, अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं ऐसे सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित हैं - सम्पादक

दिनांक	दिवस	महापुरूष का नाम
1 अप्रैल	जन्म-दिवस	**संघ संस्थापक : डा. केशव बलिराम हेडगेवार**
1 अप्रैल	पुण्य-तिथि	**निर्धनों का वास्तुकार : लारीबेकर**
2 अप्रैल	पुण्य-तिथि	**भारतीय क्रिकेट के नायक : रणजी**
3 अप्रैल	जन्म-दिवस	**सांस्कृतिक प्रेरणा पुरूष : लालचन्द्र प्रार्थी**
4 अप्रैल	जन्म-दिवस	**राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी**
6 अप्रैल	इतिहास-स्मृति	**तीन उँगली कटाकर भागा**
8 अप्रैल	बलिदान-दिवस	**मंगल पाण्डे का बलिदान**
9 अप्रैल	जन्म-दिवस	**घुमक्कड़ साहित्यकार राहुल सांस्कृत्यायन**
10 अप्रैल	स्थापना-दिवस	**आर्य समाज की स्थापना**
11 अप्रैल	बलिदान-दिवस	**वीर खाज्या एवं दौलतसिंह नायक**
13 अप्रैल	जन्म-दिवस	**कृषि वैज्ञानिक सर गंगाराम**
13 अप्रैल	इतिहास-स्मृति	**अनुपम क्रान्तितीर्थ : जलियाँवाला बाग**
14 अप्रैल	जन्म-दिवस	**संविधान के निर्माता : डा. अम्बेडकर**
14 अप्रैल	इतिहास-स्मृति	**मोइरंग : जहाँ नेताजी ने तिरंगा फहराया**
16 अप्रैल	पुण्य-तिथि	**प्रकृति के अनुपम चितेरे : नन्दलाल बोस**
17 अप्रैल	बलिदान-दिवस	**अमर बलिदानी : तात्याटोपे**
18 अप्रैल	बलिदान-दिवस	**अमर बलिदानी : दामोदर हरि चाफेकर**
18 अप्रैल	पुण्य-तिथि	**बंगाल में राष्ट्रीय शिक्षा के प्रसारक सतीशचन्द्र मुखोपाध्याय**
19 अप्रैल	जन्म-दिवस	**तपस्वी शिक्षाविद : महात्मा हंसराज**
19 अप्रैल	बलिदान-दिवस	**युवा बलिदानी : अनन्त कान्हेरे**
20 अप्रैल	जन्म-दिवस	**उड़नपरी पी.टी. उषा**
21 अप्रैल	बलिदान-दिवस	**गणनपतराय का बलिदान**
22 अप्रैल	पुण्य-तिथि	**क्रान्ति और सेवा के राही : योगेश चन्द्र चटर्जी**
23 अप्रैल	जन्म-दिवस	**विद्वत्ता की प्रतिमूर्ति पण्डिता रमाबाई**
24 अप्रैल	पुण्य-तिथि	**प्रेम के उपासक : रमण महर्षि**
26 अप्रैल	जन्म-दिवस	**डी.ए.वी. कालेज के सूत्रधार : पण्डित गुरूदत्त विद्यार्थी**
28 अप्रैल	बलिदान-दिवस	**क्रान्ति के पुरोधा : जोधासिंह अटैया**
29 अप्रैल	जन्म-दिवस	**अद्भुत चित्रकार : राजा रवि वर्मा**
30 अप्रैल	जन्म-दिवस	**भारतीय फिल्मों के पितामह : दादासाहब फाल्के**
30 अप्रैल	बलिदान-दिवस	**अद्भुत योद्धा : हरिसिंह नलवा**

समर्थ भारत प्रकल्प द्वारा फरीदाबाद में रोजगार शिविर का आयोजन

दिनाँक 6 मार्च 2021 को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के अन्तर्गत चलने वाले प्रकल्प समर्थ भारत द्वारा सेवा भारती, लघु उद्योग भारती, जे सी बोस विश्वविद्यालय और श्री शान्तिनाथ फाउंडेशन के सहयोग से एक रोजगार शिविर का आयोजन दिनाँक 6 मार्च 2021 को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक जे सी बोस विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रातः 10 बजे कार्यक्रम हुआ | मुख्य अतिथि श्री सतवीर मान जी- अतिरिक्त उपायुक्त फरीदाबाद एवं श्रीमती अमन प्रीत जी आईआरएस जॉइंट कमिश्नर इनकम टैक्स दिल्ली ने भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम प्रारम्भ किया ।

कार्यक्रम में श्री आनन्द जैन - प्रबन्ध निदेशक, इंडो ऑटो टेक लिमिटेड, फरीदाबाद ; श्री नरेन्द्र अग्रवाल– अध्यक्ष, शिवालिक इंडस्ट्रीज फरीदाबाद ; श्री सुरेश अग्रवाल - प्रबन्ध निदेशक, इंडियन अब्रेसिव ; श्री ध्रुव बत्रा –निदेशक, परफेक्ट ब्रेड ; श्री अजय जुनेजा- प्रबन्ध निदेशक, जुनेजा ब्राइट स्टील, अध्यक्ष-मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन, फरीदाबाद ; डॉ सुनील कुमार गर्ग, रजिस्ट्रार - जे सी बोस विश्वविद्यालय और श्री राज कुमार अग्रवाल- राष्ट्रीय मंत्री, भारत विकास परिषद, विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र के सम्पर्क प्रमुख श्री कृष्ण सिंघल जी ने की ।

उदघाटन समारोह में प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, हरियाणा के प्रान्त सम्पर्क प्रमुख श्री गंगा शंकर जी मिश्रा ने बताया कि इस शिविर में कुल 1537 पंजीकरण हुए जिसमें 1269 पंजीकरण ऑनलाइन तथा 268 पंजीकरण शिविर में हुए। पंजीकृत अभ्यर्थियों में से कुल 781 अभ्यर्थी शिविर में आए तथा कुल आये अभ्यर्थियों में से 158 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार के माध्यम से 22 कंपनियों में चयन हुआ। चयन करने वाली कंपनियों में इम्पीरियल ऑटो, इंडो ऑटो टेक, रैडिसन होटल, हीरा मोती, बिटकेन प्राइवेट लिमिटेड, परफेक्ट ब्रेड, एक्यूरेट प्रेसिंग, जोमाटो, एच आई एल लिमिटेड, शिवानी लॉक आदि प्रमुख रहीं।

समर्थ भारत के प्रकल्प प्रमुख श्री शोनाल गुप्ता जी ने धन्यवाद प्रस्तुत करते हुए कहा कि कोरोना काल में बहुत से लोग बेरोजगार हो गए हैं | ऐसे लोगों के लिए समर्थ भारत प्रकल्प का शुभारंभ किया गया है । समर्थ भारत प्रकल्प स्वरोजगार, व्यावसायिक प्रशिक्षण और स्वावलंबन पर प्रमुख रूप से कार्य कर रहा है । उन्होंने बताया कि शीघ्र ही ऐसे रोजगार शिविरों का आयोजन विभिन्न शहरों में किया जायेगा जिससे अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया

जा सके। इस शिविर के आयोजन में लघु उद्योग भारती, जीतो फाउंडेशन और फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन सहित नगर के अन्य कई सेवा संगठनों का सहयोग रहा।

रोजगार शिविर में इस आयोजन के संयोजक श्री तरुण कुमार वार्ष्णेय, कार्यक्रम के सह संयोजक श्री जी बी नैनवाल (सेवा भारती) ; श्री शान्तिनाथ फाउंडेशन से श्री पीयूष गोयल, नेहा जैन, शुभम, हर्षित जैन, श्री बालकृष्ण, संकल्प एवं कपिल जैन ; अधिवक्ता परिषद से श्री राज कुमार और श्री मनीष राघव, हिन्दू जागरण मंच से कर्नल समरसिंह एवं श्री पी सी गौड़, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से श्री गोविन्द अग्रवाल, श्री संजय त्यागी, श्री सुनील मिश्रा, भारत विकास परिषद से श्री अशोक गोयल तथा समर्थ भारत से सुमित चौधरी, अनंतदीप और नवीन सहित अन्य गणमान्य लोग एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समर्थ भारत प्रकल्प द्वारा इन्टरनेशनल ई-कोमर्स प्रोग्राम का आयोजन

दिनांक – 5 और 6 मार्च 2021

माध्यम – ज़ूम मीटिंग
स्पोंसर – संगोष्ठी (राम लाल आनंद कॉलेज और दिल्ली विश्वविद्यालय)
संयोजक – डॉ. प्रेरणा मल्होत्रा

प्रथम दिवस : उद्घाटन समारोह

रामलाल आनंद कालेज के संगोष्ठी सोसायटी के द्वारा दो दिवसीय इन्टरनेशनल ई-कोमर्स प्रोग्राम का आयोजन किया गया | इसमें मुख्य विषय रहा **पोस्ट पेंडेमिक एजूकेशन एंड एम्प्लॉयमेंट : चुनौतियां और अवसर** | यह कार्यक्रम ज़ूम मीटिंग के द्वारा वेबीनार के रूप में किया गया |
उद्घाटन समारोह की शुरुआत शिक्षा की देवी सरस्वती माता की पूजा तथा वंदना से हुई | उसके बाद कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. प्रेरणा मल्होत्रा जी ने सभी अतिथियों का परिचय करवाया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की | सर्वप्रथम राम लाल आनंद कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ .राकेश गुप्ता जी ने अपना वक्तव्य दिया | उन्होंने सीखने की डिजिटल विधि व शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया के बारे में चर्चा की। उनके पश्चात द्वारका स्थित भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेस के प्राचार्य व डीयू के डीन डॉ बलराम .पाणि जी ने अपना वक्तव्य दिया | उन्होंने किसी भी समस्या को हल करने के लिए शिक्षण समुदाय और शिक्षक की दक्षता के बारे में चर्चा की | फिर श्री महेंधिरण नायर जी का उद्बोधन हुआ जिन्होंने वैश्विक अर्थव्यवस्था के एजेंडे के बारे में चर्चा की और बताया कि जलवायु परिवर्तन का वैश्विक समुदाय पर क्या प्रभाव पड़ता है| अंत में श्री इन्दर मोहन कपाही जी का उद्बोधन हुआ जिसमें उन्होंने मूल्यांकन सीखने की अवधारणा के बारे में बताया और जलवायु या प्रकृति द्वारा किये जाने वाले रचनात्मक विनाश के बारे में बात की |

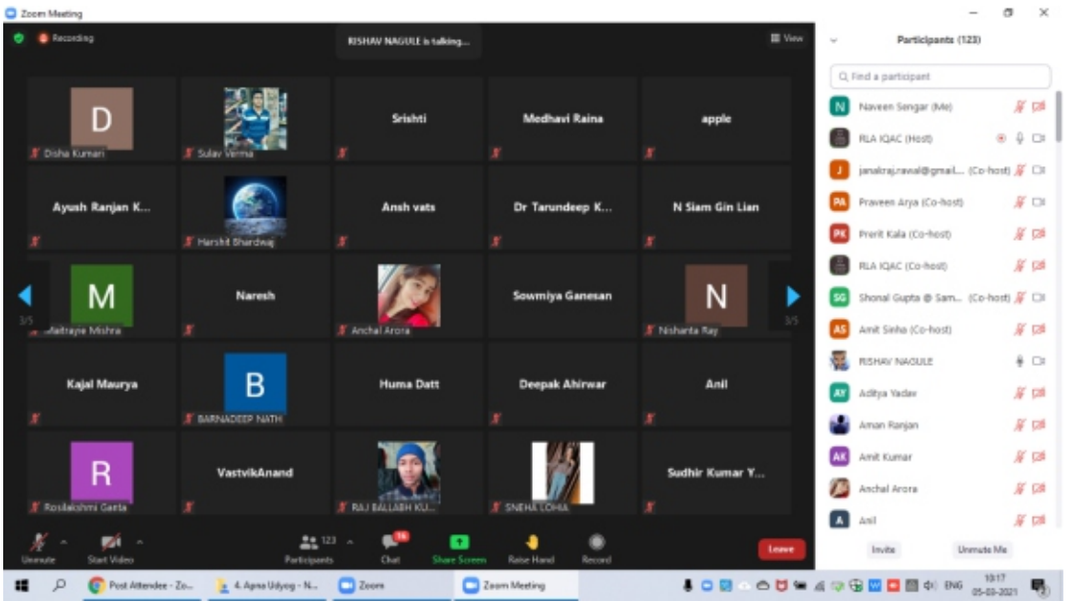

द्वितीय दिवस

सम्मेलन की शुरुआत श्रीमती प्रेरणा मल्होत्रा द्वारा अतिथियों के परिचय के साथ हुई जिसके बाद समर्थ भारत का उन्मुखीकरण श्री शोनाल गुप्ता (भाऊराव देवरस सेवा न्यास की एक परियोजना - समर्थ भारत के प्रमुख) द्वारा किया गया। विभिन्न सांख्यिकीय आंकड़ों जैसे वर्तमान रोजगार दर आदि को बेहतर समझ के लिए चित्रित किया गया था। फिर सम्मेलन को उद्यमिता विकास पर एक और उन्मुखीकरण द्वारा संसाधित किया गया जिसे श्री मुकेश शुक्ला (एमएसएमई मंत्रालय के साथ संस्थान, औद्योगिक विकास संस्थान, अध्यक्ष) द्वारा संबोधित किया गया | उद्यमिता विकास पर 4 वीं औद्योगिक क्रांति द्वारा चुनौतियों का प्रभाव और अवसरों को काफी प्रभावी ढंग से समझाया गया।

इसके बाद श्री रवि गुप्ता (सलाहकार-आईआईडी और समर्थ भारत) ने छात्रों को उद्यमिता के लिए बैंकिंग योजनाओं से परिचित कराया । बैंकिंग योजनाएं उद्यमिता के क्षेत्र में छात्रों के लिए एक महान सीखने के कदम थे। छात्रों को श्री प्रवीण आर्य (संस्थापक- F-Tec) द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण के बारे में बताया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत समाज के सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को प्रदान किए गए प्रशिक्षण के बारे में बताया जो एक विशिष्ट विषय के तहत रोजगार कौशल पैदा करता है। पीएमकेवीवाई के तहत परियोजनाओं के साथ-साथ कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने वाले विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों के विषय में भी छात्रों को बताया गया। ग्रामीण क्षेत्र में कौशल विकास भी विशेष सत्र में केंद्रित था जिसे श्रीमती सरिता दुग्गल (प्रिंसिपल- MTDC KVIC) द्वारा संबोधित किया गया ।

इस तरह डॉ प्रेरणा मल्होत्रा द्वारा धन्यवाद के साथ सुव्यवस्थित सत्र समाप्त हो गया। यह सत्र छात्रों के लिए सीखने और उत्पादन करने वाला था।

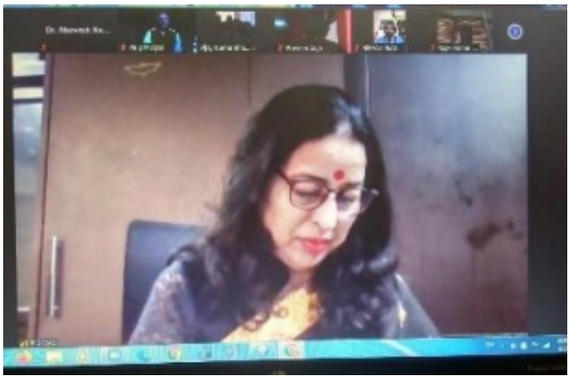

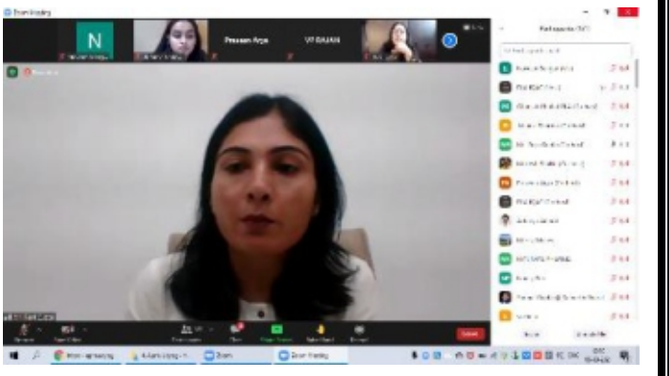

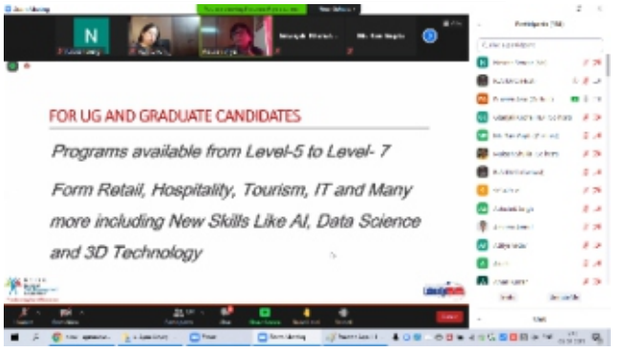

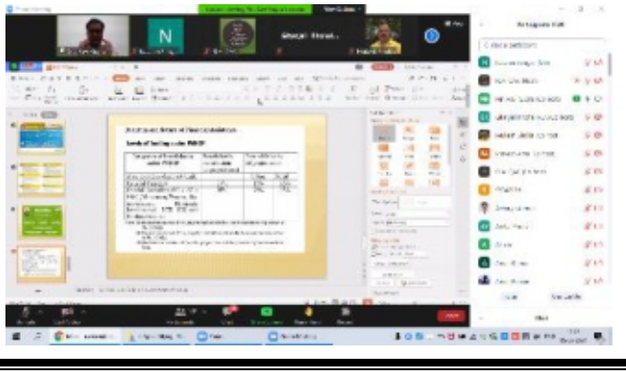

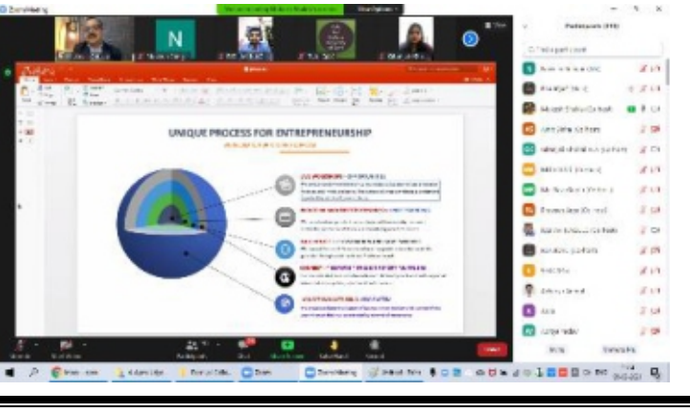

भाऊराव देवरस स्मृति व्याख्यान माला : 27 वाँ पुष्प

27 मार्च 2021 को दिल्ली में 27 वीं भाऊराव देवरस स्मृति व्याख्यान माला आयोजित की गई | कोरोना संक्रमण को देखते हुए यह व्याख्यान माला वेबेनार के रूप में रही जिसमें पूरे देश से लगभग 500 व्यक्तियों ने भाग लिया | इसका प्रसारण यू-ट्यूब के माध्यम से किया गया |

इस व्याख्यान माला का विषय था :

भारतीय सभ्यता की जननी – सरस्वती नदी

विषय के प्रस्तुतकर्ता थे **श्री संजीव सान्याल जी** | आप भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में प्रधान आर्थिक सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं | इसके साथ ही आप इतिहासकार भी हैं और इतिहास से जुड़े विभिन्न विषयों पर पुस्तकें भी लिख चुके हैं | कार्यक्रम का संचालन न्यास के सचिव श्री राहुल सिंह जी ने किया और न्यास के कोषाध्यक्ष श्री रामअवतार किला जी ने श्री संजीव सान्याल जी को पुष्प-गुच्छ, शाल, स्मृति चिन्ह और श्रीफल भेंट करते हुए उनका स्वागत किया |

विषय प्रस्तुत करते हुए श्री सान्याल जी ने विभिन्न चित्रों और सन्दर्भों का उल्लेख करते हुए विषय को बहुत ही रोचक रूप में प्रस्तुत किया | उन्होंने सरस्वती नदी की वास्तविकता का चित्रण कई तथ्यों व प्रमाणों के साथ किया | उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए कुछ प्रमाण हैं :

1. ऋग्वेद में 35 श्लोक ऐसे हैं जिनमें सरस्वती नदी की संतुति की गई है और 72 स्थानों पर इसका का उल्लेख है | इसमें सरस्वती नदी को सबसे वेगवती, प्रचंड और सभी नदियों की माता के रूप में दर्शाया गया है | ऋग्वेद में ही सप्तसिंधु का वर्णन आता है जो सरस्वती व उसकी 6 सहायक नदियाँ ही थीं |
2. हड़प्पा सभ्यता के समय के आबादी वाले प्रमुख स्थलों में एक तिहाई सरस्वती नदी के किनारे स्थित थे |
3. महाभारत में बलराम जी द्वारा सप्त सिन्धु का उल्लेख किया गया है जिसमें एक सरस्वती नदी है | उन्होंने इस नदी के कुछ स्थानों पर लुप्त हो जाने के बारे में भी जानकारी दी है, जैसे थार का रेगिस्तान |
4. हरियाणा राज्य दो महान नदियों सरस्वती और दृषद्वती के बीच स्थित है ऐसा वर्णन भी आता है |
5. पुराणों में सात नदियों का उल्लेख है जो पूरे भारत में स्थित थीं | वे हैं – गोदावरी, सरस्वती, गंगा, कावेरी, यमुना, सिन्धु और नर्मदा |
6. एक अध्ययन के अनुसार सरस्वती नदी का ग्लेशियर से संपर्क टूट गया और यह बरसाती नदी के रूप में जीवित रही परन्तु लगभग 2000 ईसा पूर्व आते आते सरस्वती नदी पूर्णतया लुप्त हो गई और इसी कारण हड़प्पा काल के कई महत्वपूर्ण नगर भी लुप्त हो गए |

इतनी महत्वपूर्ण जानकारियाँ देते हुए उन्होंने अपना व्याख्यान समाप्त किया | इसके पश्चात कुछ प्रश्नोत्तर का कार्यक्रम चला जो श्रोताओं ने कार्यक्रम के बीच में ही पूछे थे | समय की मर्यादा के साथ श्री संजीव सान्याल जी ने उनके उत्तर दिए |

अंत में अपने न्यास के न्यासी और महामना शिक्षण संस्थान का कार्य देखने वाले श्री रंजीव तिवारी जी ने श्री संजीव सान्याल जी का धन्यवाद किया |

RNI No. UPHIN/2005/15853
सेवा संवाद - अप्रैल - 2021
डाक पंजीकरण क्र. SSP/LW/NP-136/2019-21
प्रेषित डाकघर– चारबाग, लखनऊ
कैलेण्डर वर्ष 2019–21
डिजिटल संस्करण

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प एवं उनके प्रमुख

प्रकल्प का नाम	प्रकल्प प्रमुख	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	श्रीमती अर्चना दीक्षित	9821483861
सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
विश्राम सदन के.जी.एम.यू. लखनऊ	श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल	9415003111
देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
सेवा संवाद (मासिक)लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्द्धमासिक) लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन, दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
विश्राम सदन, IGIMSपटना (बिहार)	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457

नव संवत्सर आया है

मेरे भाई! कोटि बधाई, नव संवत्सर आया है।
कृषक खेत से नवल अन्न धन, अपने घर में लाया है।
आम-वृक्ष ने सौम्य फलों से अपना रूप सजाया है।
उधर कोकिला ने हो हर्षित, गीत मधुर तम गया है।
दिग-दिगन्त में बसन्त के पवन बजाता शहनाई।
सजी-धजी कचनार कली से, नवल वधू सी मुस्काई।
वसुन्धरा सजने को महुआ, ने निज कलियां फैलाई।
पकी फसल यों झूम रही ज्यों, हेम प्रभा हो बिखराई।
आज चतुर्दिक सुषमा छाई
मेरे भाई! कोटि बधाई।
कहता है यह समय सुहावन, मत कर्तव्यों को भूलो।
सुख सविधा आनन्द देखकर, मन ही मन में मत फूलो।
योग करो नीरोग रहो और दूर भगाओ कोरोना।
मास्क लगाकर घर से निकलो, व्यर्थ एकत्रित मत होना।
लेना है सहयोग साथ विश्वास सभीजन का भाई।
छू पायेंगे तब विकास-शृंगों की हम सब ऊंचाई।
कहलाए हम पूर्व जगद्गुरु, धर्म-ध्वजा भी लहराई।
पाए वही पुनः पद भारत, कर्म हेतु बेला आई।
जाएँ खुशियाँ तभी मनाई
मेरे भाई! कोटि बधाई।।

दयानन्द जड़िया 'अबोध'
चन्द्रा-मण्डप
370/27, हाता नूरबेग
संगमालाल वीथिका, सआदतगंज
लखनऊ-226003
मो. : 8081847693